Subject :- Sociology Date :- 26/04/2020
Class :- B-II (Subsidiary)
Topic :- दहेज प्रथा के दुष्परिणाम
By :- Dr. S.N. Choudhary, Guest Teacher
Marwari College, Darbhanga, 9507941619

दहेज प्रथा के दुष्परिणाम

Online Study Material No :- (51)

दहेज-प्रथा का समाज पर सकारात्मक प्रभाव नहीं पड़ता है। अतः इसके प्रभावों को कुप्रभाव या दुष्परिणाम कहना अनुचित नहीं प्रतीत होता है। इसके प्रमुख दुष्परिणाम निम्नांकित हैं :-

(1) बेमेल विवाह को प्रोत्साहन → दहेज प्रथा के कारण बेमेल विवाह की घटनाओं में वृद्धि होती है क्योंकि दहेज की राशि जुटा पाने में असमर्थ कन्या के माता-पिता अपनी खूबसूरत और कमआयु की कन्या का विवाह कुरूप और अधिक आयु के पुरुष के साथ करने के लिए बाध्य होते हैं।

(2) ऋण ग्रस्तता को प्रोत्साहन → इस बात को मानने से इनकार नहीं किया जा सकता कि अधिकांश कन्याओं के पिता को दहेज की माँग पूरा करने के लिए ऋण पर निर्भर रहना पड़ता है। एकबार ऋण ले लेने पर उससे छुटकारा पाना संभव नहीं होता है।

(3) कन्याओं द्वारा आत्महत्या में वृद्धि → जब कन्या के पिता दहेज की राशि का पूर्ण भुगतान नहीं कर पाते हैं तब ससुराल में उनकी कन्या को शारीरिक यातनाएँ भुगतनी पड़ती हैं। जब ये यातनाएँ असहनीय हो जाती हैं तब लड़कियों को कष्टों से छुटकारा पाने के लिए आत्महत्या करनी पड़ती है। "आत्महत्या : दहेज कितना जिम्मेदार" नामक एक लेख धर्मयुग नामक पत्रिका में 14 जून 1987 को प्रकाशित हुआ था। उस लेख से पता चलता है कि भारत में प्रत्येक 3 (तीन) घंटे पर एक नवविवाहिता स्त्री दहेज के लिए अपने जीवन को समाप्त करती है। इसका मतलब कि प्रति वर्ष लगभग 3000 स्त्रियों को केवल दहेज प्रथा के कारण आत्महत्या का शिकार होना पड़ता है। कुछ परिवार में दहेज के लिए लड़कियों को जिन्दा जला दिया जाता है या जहर देकर मार दिया जाता है।

(4) स्त्रियों में मानसिक असंतुलन उत्पन्न करना → आज लड़कियाँ अपने आपको पिता की आर्थिक कठिनाई का कारण समझती हैं। फिर भी उन्हें पति या ससुराल पक्ष के अन्य लोगों के निर्देश पर अपने पिता के सामने कुछ आर्थिक माँगें रखनी पड़ती हैं। उसके बाद भी उसे बराबर ससुराल पक्ष के तिरस्कार का सामना करना पड़ता है। अतः आज भारत की अधिकांश स्त्रियों में मानसिक असंतुलन उनके जीवन का एक अनिवार्य अंग बना हुआ है।

(5) जीवन स्तर में ह्रास → जब से कन्या का जन्म होता है, इसी समय

Scanned with CamScanner

से उसके दहेज की चिन्ता माता-पिता को हो जाती है। लोग दहेज के लिए पैसा जमा करने के लिए अपनी जरूरत की चीजों को भी नहीं खरीद पाते हैं। फलस्वरूप रहन-सहन के स्तर में ह्रास होता है।

(6) स्त्रियों की स्थिति निम्न बनाने में योगदान → दहेज के कारण लड़कियों का जन्म एक दुखद घटना समझा जा रहा है। अधिकांश परिवारों में लड़कियों के जन्म को एक भावी विपत्ति के रूप में देखा जा रहा है। इसी के फलस्वरूप लड़कियों को उच्च शिक्षा के भी कम अवसर प्राप्त हुए। लड़कियों के प्रति पुरुषों में जो दृष्टिकोण उत्पन्न हुआ उसके कारण स्त्रियों की स्थिति निम्न हो गयी।

(7) विधवाओं की संख्या में वृद्धि करना → दहेज प्रथा के कारण कम उम्र की लड़कियों का विवाह अधिक उम्र के लड़कों के साथ कर दिया जाता है। एक वृद्ध पति या पुरुष अपनी युवा पत्नी के बराबर जीवित नहीं रह सकता। फलस्वरूप विधवाओं की संख्या में वृद्धि होती है।

(8) कन्याओं के अविवाहित रहने की घटनाओं में वृद्धि → दहेज प्रथा के कुपरिणामों के कारण आज कुछ लड़कियों में दहेज के विरुद्ध जागरूकता आयी है। इस जागरूकता के फलस्वरूप वे अविवाहित रहने का संकल्प ले लेती हैं। साथ ही यह भी कहा जा सकता है कि कुछ लोगों को अनेक पुत्रियाँ रहती हैं। गरीबी के कारण वे दहेज देकर कन्या का विवाह करने में वे अपने को असमर्थ पाते हैं। ऐसी परिस्थिति में कुछ लड़कियों को अविवाहित रहना पड़ता है। इस तरह दहेज प्रथा के कारण लड़कियों में अविवाहित रहने की घटनाओं में वृद्धि होती है।

S. N. Choudhary
Marwari College
L.N.M.U